''जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली ि ाक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन''

डॉ0 सुनीता गुप्ता
अध्यक्ष,
ि ाक्षा संकाय,
राजा श्री कृश्ण दत्त पी0जी0 कॉलेज,
जौनपुर।

सारांश

शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता प्राथमिक स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण होती है। उनका यह काम न केवल छात्रों को विद्या देने में सहायक होता है, बल्कि उनका प्रभाव छात्रों के भविष्य को निर्माण करने में भी होता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता का मतलब है कि शिक्षकों को अपने कार्य को पेशेवरता से निभाने की प्रतिबद्धता होती है, जिससे वे अधिक सक्षम और प्रेरित छात्रों को प्रभावित कर सकें। व्यवसायिक प्रतिबद्धता के परिप्रेक्ष्य में, शिक्षकों को निम्नलिखित कार्यों का पालन करना चाहिए : शिक्षकों को अपने पाठ्यक्रम को बेहतर बनाने, नवीनतम शिक्षण प्रणालियों का अध्ययन करने और उन्हें अपने विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने के लिए सक्रिय रहना चाहिए, शिक्षकों को नियमित अंतराल पर छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करना चाहिए और उन्हें उनके क्षमतानुसार मार्गदर्शन करना चाहिए, अच्छे शिक्षक वह होते हैं जो अपने कक्षाओं को संगठित और प्रेरित करने के लिए अद्यतन और प्रभावी उपायों का उपयोग करते हैं, शिक्षकों को छात्रों, अभिभावकों, और संबंधित स्कूल स्टाफ के साथ सहयोगी संबंध बनाना चाहिए ताकि उनका प्रयास सफल हो सके, शिक्षकों को नए शिक्षण तकनीकों, विद्यालयीय नीतियों और अन्य संबंधित क्षेत्रों में निरंतर सीखते रहना चाहिए, शिक्षा क्षेत्र में पेशेवर विकास के लिए सेमिनार, कार्यशालाएं, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेना चाहिए। शिक्षकों की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण होना चाहिए, क्योंकि वे न केवल शिक्षा क्षेत्र में अच्छे प्रभाव को बढ़ाते हैं, बल्कि समाज में एक पेशेवर और उत्कृष्ट शिक्षा प्रणाली का संरक्षण भी करते हैं। भाोध में निम्नलिखित परिकल्पनायें प्रस्तुत के आधार पर निम्नलिखित निश्कर्श प्राप्त किये है – जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया, जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

मुख्यशब्द – प्राथमिक विद्यालय, ि ाक्षिकाऐं, व्यावसायिक प्रतिबद्धता

प्रस्तावना

प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली शिक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण है। यह अध्ययन उनके पेशेवर विकास को समझने में मदद करता है और उनके कार्य की प्रभावता को मापता है। इस अध्ययन के माध्यम से हम उन तत्वों को प्रकट कर सकते हैं जो शिक्षकों की प्रतिबद्धता को प्रभावित करते हैं और उन्हें सफल बनाते हैं। हम शिक्षकों की प्रतिबद्धता के प्रति जागरूक होते हैं और उन्हें उनके पेशेवर लक्ष्यों की प्राप्ति में मदद करते हैं। यह अध्ययन शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने और शिक्षकों के पेशेवर विकास को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण योगदान करता है। इस अध्ययन के माध्यम से हम शिक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने के

लिए उचित संसाधनों की विनिर्माण कर सकते हैं, जो अच्छे शिक्षकों को बनाए रखने और उनकी प्रतिभा को बढ़ाने में मदद करेगा।

व्यवसायिक प्रतिबद्धता को उस संदर्भ में देखा जा सकता है जब एक व्यवसाय अपने सामाजिक, पर्यावरणीय, और आर्थिक प्रभाव की जिम्मेदारी लेने के लिए सक्षम होता है। यह एक व्यवसाय की सामाजिक और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता को मापने का एक तरीका हो सकता है, जो उसके संदर्भ में सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता, और नैतिकता के प्रति उसकी क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। व्यवसायिक प्रतिबद्धता की दीर्घा रुप में, यह व्यापारिक क्रियाओं को समाजिक, पर्यावरणीय, और आर्थिक परिणामों के साथ संरेखित करता है। यह निम्नलिखित पहलुओं को शामिल कर सकता है : व्यवसाय अपने कर्मचारियों, ग्राहकों, समुदाय, और समाज के सदस्यों के साथ न्याय, समानता, और सहयोग की भावना को बढ़ाने का प्रयास करता है। यह सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ संबंधित कानूनी, नैतिक, और सामाजिक मानकों का पालन करने का एक माध्यम हो सकता है। व्यवसाय अपने कार्यक्षेत्र में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी लेता है और अपनी क्रियाओं को पर्यावरणीय संतुलन और संरक्षण के लिए अनुकूल बनाने का प्रयास करता है। यह सामुदायिक और ग्लोबल पर्यावरणीय मानकों के पालन में मदद कर सकता है और वास्तविक पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने के लिए उपायों का अध्ययन कर सकता है। व्यवसाय अपनी आर्थिक क्रियाओं को संबलित और सजीव बनाने के लिए जिम्मेदारी लेता है। यह उसकी निवेश की समायोजन, वित्तीय उपयोगिता, और उत्पादन की प्रभावीता को ध्यान में रखता है, साथ ही समाज के साथ उचित और नैतिक अनुबंधों का पालन करता है। इस रूप में, व्यवसायिक प्रतिबद्धता व्यवसाय की सामाजिक, पर्यावरणीय, और आर्थिक प्रतिबद्धता को एक संगीत बनाता है, जो सामाजिक और पर्यावरणीय हित के साथ व्यापार की सफलता को संतुष्ट करता है।

आवश्यकता एवं महत्व

प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली शिक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह विषय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि प्राथमिक शिक्षा का आधार बच्चों के विकास में निहित है और शिक्षिका इस विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। शिक्षिका की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का महत्व तब खासतौर पर सामने आता है जब हम उनके क्षेत्र में निरंतर उन्नति और सुधार की बात करते हैं। शिक्षक न केवल ज्ञान को बढ़ावा देते हैं, बल्कि उनका रवैया और उनके शैक्षिक दृष्टिकोण भी बच्चों के मनोविकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करने से हम उनके कौशल, ज्ञान, और शैक्षिक योग्यता को समझ सकते हैं। इससे हम यह भी जान सकते हैं कि वे किस प्रकार से अपने छात्रों के साथ व्यवहार करते हैं और कैसे वे छात्रों को प्रेरित करते हैं। व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अध्ययन से हम उन शिक्षकों की पहचान कर सकते हैं जो अपने काम में सचेत और प्रेरणादायक होते हैं, और इस प्रकार के शिक्षकों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। व्यवसायिक प्रतिबद्धता के अध्ययन से हम उन शिक्षिकाओं के निर्धारित लक्ष्यों, स्वीकृति के मानकों और शैक्षिक संवेदनशीलता को माप सकते हैं। इससे हम उनकी प्रगति को मापने में सक्षम होते हैं और उन्हें आवश्यक संशोधन की दिशा में निर्देशित कर सकते हैं। अध्ययन के माध्यम से हम उन शिक्षिकाओं के क्षमताओं और कमजोरियों को पहचान सकते हैं और उन्हें उनके निर्देशन में सहायता प्रदान कर सकते हैं। इससे उनकी स्वयं की विकास की प्रक्रिया में सहायता मिलती है और वे अपने क्षेत्र में और भी प्रभावी बनते हैं। शिक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन करना उनके संदर्भों,

जिम्मेदारियों, और शैक्षिक लक्ष्यों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे उनका शिक्षा क्षेत्र में प्रभावी योगदान हो सके।

सम्बन्धित शोध साहित्य अध्ययन

निम्नलिखित विद्यार्थियों ने प्रस्तुत विशयों को भोध का विशय बनाया है जिसमें राजे ा कुमार (2014), तौसीफ (2015), कुमदिनी (2016), चौधरी (2017), सैफी (2018) और दूबे चन्द्र (2019) आदि प्रमुख है।

समस्या कथन

"जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली ि ाक्षिकाओं की व्यवसायिक प्रतिबद्धता का अध्ययन"

शोध अध्ययन के उद्देश्य

- जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।
- जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का तुलनात्मक अध्ययन।

शोध अध्ययन की परिकल्पनायें

- जौनपुरजनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।
- जौनपुरजनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं है।

आंकड़ा संग्रहण के उपकरण

प्रस्तुत लघु भोध हेतु आंकड़ों के संकलन के लिए जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली ि ाक्षिकाओं से व्यक्तिगत सम्पर्क करके प्र नावली के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया।

न्याद ि

वर्तमान लघु भोध हेतु 250 ि ाक्षिकाओं को भाामिल किया गया है।

उपकरण

व्यवसायिक प्रतिबद्धता– डा0 रविन्द्र कौर, डा0 सर्वजीत कौर रानू एवं सर्वजीत कौर वरार द्वारा निर्मित मानकीकृत परीक्षण।

परिकल्पनाओं का वि लेशण एवं व्याख्या

तालिका संख्या – 1

जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का वि लेशण एवं व्याख्या

क्र॰स॰	कला वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
1.	बी0एड0	125	176.57	26.60	0.06
2.	बी0टी0सी	125	173.16	18.39	

0.01*सार्थक 0.05**सार्थक, ***सार्थक नहीं

व्याख्या –

तालिका संख्या 1 में जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को द ार्या गया है। तालिका में प्राथमिक विद्यलयों में कार्यरत् बी0एड0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रम ाः 176.57 एवं 26.60 प्राप्त हुआ है जबकि प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत् बी0टी0सी कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रम ाः 173.16 एवं 18.39 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 0.06 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पश्ट नहीं करता है। इससे सिद्ध होता है कि जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या – 2

जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता का मध्यमान, मानक विचलन एवं क्रान्तिक अनुपात का वि लेशण एवं व्याख्या

क्र॰स॰	विज्ञान वर्ग	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	क्रान्तिक अनुपात
1.	बी0एड0	125	175.55	25.14	0.507
2.	बी0टी0सी0	125	177.59	28.04	

व्याख्या –

तालिका संख्या 2 में जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता को द ार्या गया है। तालिका में जौनपुर जनपद के प्राथमिक विद्यलयों में अध्यापन करने वाली बी0एड0 विज्ञान वर्ग की की ि ाक्षिकाओं का मध्यमान एवं मानक विचलन क्रम ाः 175.55 एवं 25.14 प्राप्त हुआ है जबकि जौनपुर जनपद के प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापन करने वाली बी0टी0सी विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं का मध्यमान, मानक विचलन क्रम ाः 177.59 एवं 28.04 प्राप्त हुआ है। दोनो समूहों के मध्य क्रन्तिक अनुपात का मान 0.507 प्राप्त हुआ है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात सार्थकता के दोनों स्तर (0.01 एवं 0.05) से कम है। कम सार्थकता स्तर दोनों समूहों के मध्य सार्थक अन्तर को स्पश्ट नहीं करता ळें

इससे सिद्ध होता है कि जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

निश्कर्श

- जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 कला वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
- जौनपुर जनपद के प्राथमिक स्तर पर अध्यापन करने वाली बी0एड0 एवं बी0टी0सी0 विज्ञान वर्ग की ि ाक्षिकाओं की व्यावसायिक प्रतिबद्धता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. अस्थाना, डॉ0 विपिन व श्वेता अस्थाना : मनोविज्ञान व शिक्षा में मापन व मूल्यांकन, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 2005, पृ0सं0–440, 452.
2. आर.ए. शर्मा : शिक्षा एवं मनोविज्ञान में परा एवं अपरा सांख्यिकी, आर0लाल0 बुक डिपों मेरठ, पृ0सं0–280.
3. एफ0एन0 करलिंगर : फाउंडेशन ऑफ बिहेवियरल रिसर्च, न्यूयार्क, हॉल्ड रिनीहार्ट एण्ड विलसन, 1959, पृ0–20.
4. गोयल डा0 अनिल : ''हिन्दी कहानी में नारी की भूमिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ– 173.
5. गुप्ता प्रो0 एस0पी0ः अनुसंधान संदिर्शिका, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, पृ0–65, 110, 111, 269, 346.
6. डॉ0 पाण्डेय के0पी0 : शैक्षिक अनुसंधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2006, पृ0–112–113.
7. डॉ0 कपिल एच0के0 : सांख्यिकी के मूल तत्व, एच0पी0 भार्गव हऊस, आगरा, 2006.
8. डॉ0 रायजादा बी0एस0 : शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी जयपुर, पृ0–158.